

## India : Democracy and Development

भारत : लोकतंत्र और विकास

Important Questions with Answers

REVISION CLASS 2

What is ethnicity? Discuss the main cases of ethnicity in India.

जातीयता क्या है ? भारत में जातीयता के प्रमुख मामलों की चर्चा कीजिए ।

**Ethnicity** refers to a group of people who share common cultural traits, language, religion, or ancestry. It is often associated with a sense of shared identity based on these elements.

**जातीयता** उन लोगों का समूह होती है, जो सामान्य सांस्कृतिक लक्षणों, भाषा, धर्म या वंशावली को साझा करते हैं। यह आमतौर पर इन तत्वों पर आधारित साझा पहचान से जुड़ी होती है।

**Main Cases of Ethnicity in India:**

1. **North-Eastern States:** The people of North-Eastern states like Nagaland, Mizoram, and Assam have distinct ethnic identities based on tribal and cultural differences.

**उत्तर-पूर्वी राज्य:** नागालैंड, मिजोरम और असम जैसे उत्तर-पूर्वी राज्यों के लोग जनजातीय और सांस्कृतिक भिन्नताओं पर आधारित विशिष्ट जातीय पहचान रखते हैं।

2. **Punjabis and Sikhs:** The ethnic identity of Punjabis and Sikhs is significant, particularly in Punjab and the Sikh diaspora worldwide.

**पंजाबी और सिख:** पंजाबी और सिख की जातीय पहचान महत्वपूर्ण है, खासकर पंजाब और विश्वभर में सिखों के प्रवासी समुदाय में।

3. **Dravidians:** The Dravidian ethnic group is primarily found in southern India, especially in Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, and Andhra Pradesh.

**द्रविड़:** द्रविड़ जातीय समूह मुख्य रूप से दक्षिण भारत में, विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल, कर्नाटका और आंध्र प्रदेश में पाया जाता है।

4. **Dalits and Adivasis:** In India, Dalits (formerly known as untouchables) and Adivasis (tribal communities) have their own ethnic identities linked to their social and cultural status.

**दलित और आदिवासी:** भारत में दलित (पूर्व में अछूत) और आदिवासी (जनजातीय समुदाय) अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति से जुड़ी अपनी जातीय पहचान रखते हैं।

5. **Bengalis and Biharis:** Ethnic distinctions between groups like Bengalis and Biharis are marked by language, culture, and historical experiences.

**बंगाली और बिहारी:** बंगाली और बिहारी जैसे समूहों के बीच जातीय भिन्नताएँ भाषा, संस्कृति और ऐतिहासिक अनुभवों से चिह्नित होती हैं।

### **Examine the Panchayati Raj System and democratic decentralisation.**

#### **पंचायती राज व्यवस्था तथा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का परीक्षण कीजिए।**

**Panchayati Raj System** is a system of local self-government in India that functions at the village, intermediate, and district levels. It aims to decentralize power and ensure local participation in governance.

**पंचायती राज व्यवस्था** भारत में स्थानीय स्वशासन की एक प्रणाली है, जो गाँव, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर कार्य करती है। इसका उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण करना और शासन में स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

**Democratic Decentralization** refers to the process of distributing power from the central government to local authorities, enabling them to make decisions for local development and governance.

**लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण** उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसमें केंद्रीय सरकार से शक्ति स्थानीय अधिकारियों को सौंप दी जाती है, जिससे वे स्थानीय विकास और शासन के लिए निर्णय ले सकें।

#### **Key Features of Panchayati Raj System:**

1. **Three-Tier Structure:** The system operates at three levels – Village Panchayat, Intermediate Panchayat, and District Panchayat.

**तीन-स्तरीय संरचना:** यह प्रणाली तीन स्तरों पर कार्य करती है – ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती पंचायत और जिला पंचायत।

2. **Direct Elections:** Members of Panchayats are directly elected by the people, ensuring democratic representation at the grassroots level.

**प्रत्यक्ष चुनाव:** पंचायतों के सदस्य सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं, जिससे **基层** स्तर पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है।

3. **Reservation for Women and SC/STs:** The system ensures reservation for women and Scheduled Castes/Scheduled Tribes in local governance bodies.

**महिलाओं और एससी/एसटी के लिए आरक्षण:** यह प्रणाली स्थानीय शासन संस्थाओं में महिलाओं और अनुसूचित जातियों/जनजातियों के लिए आरक्षण सुनिश्चित करती है।

4. **Decentralization of Powers:** Local bodies have the authority to plan and implement development projects at the local level, promoting self-governance.

**शक्तियों का विकेंद्रीकरण:** स्थानीय निकायों को स्थानीय स्तर पर विकास परियोजनाओं की योजना बनाने और लागू करने का अधिकार होता है, जो आत्म-शासन को बढ़ावा देता है।

### **Democratic Decentralization:**

1. **Empowerment of Local Bodies:** It empowers local bodies to take decisions on matters related to education, health, and infrastructure.

**स्थानीय निकायों का सशक्तिकरण:** यह स्थानीय निकायों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार देता है।

2. **Grievance Redressal:** The system helps in addressing local issues and grievances more efficiently by providing a closer relationship between the government and the people.

**शिकायतों का निवारण:** यह प्रणाली स्थानीय मुद्दों और शिकायतों को अधिक प्रभावी तरीके से हल करने में मदद करती है, क्योंकि यह सरकार और जनता के बीच निकटता स्थापित करती है।

3. **Challenges:** Despite its benefits, there are challenges like lack of funds, political interference, and insufficient training of local leaders.

**चुनौतियाँ:** इसके लाभों के बावजूद, धन की कमी, राजनीतिक हस्तक्षेप और स्थानीय नेताओं का अपर्याप्त प्रशिक्षण जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं।

**Discuss the factors responsible for regionalism in India.**

**भारत में क्षेत्रवाद के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।**

**Regionalism** in India refers to the political, social, and economic movements based on regional or local identities, which often lead to demands for autonomy or separation.

**क्षेत्रवाद** भारत में एक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक आंदोलन है, जो क्षेत्रीय या स्थानीय पहचानों पर आधारित होता है और जो अक्सर स्वायत्तता या पृथक्करण की माँग करता है।

## Factors Responsible for Regionalism in India:

1. **Linguistic Diversity:** The linguistic differences across states often fuel regional identities. Language is a major factor in shaping cultural identities, leading to regional movements.

**भाषाई विविधता:** राज्यों में भाषाई भिन्नताएँ अक्सर क्षेत्रीय पहचानों को प्रोत्साहित करती हैं। भाषा सांस्कृतिक पहचानों को आकार देने में एक प्रमुख कारक होती है, जो क्षेत्रीय आंदोलनों को जन्म देती है।

2. **Cultural and Ethnic Differences:** India has a rich cultural and ethnic diversity. The people in different regions, based on their culture, traditions, and ethnicities, sometimes feel disconnected from the national mainstream.

**सांस्कृतिक और जातीय भिन्नताएँ:** भारत में सांस्कृतिक और जातीय विविधता बहुत अधिक है। विभिन्न क्षेत्रों में लोग अपनी संस्कृति, परंपराओं और जातियों के आधार पर कभी-कभी राष्ट्रीय मुख्यधारा से अलग महसूस करते हैं।

3. **Economic Disparities:** Unequal economic development between regions has contributed to the feeling of neglect and alienation. Prosperous regions often demand more autonomy to manage their resources.

**आर्थिक असमानताएँ:** क्षेत्रों के बीच असमान आर्थिक विकास ने उपेक्षा और अलगाव की भावना को बढ़ावा दिया है। समृद्ध क्षेत्रों ने अपने संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए अधिक स्वायत्तता की माँग की है।

4. **Historical Factors:** Historical experiences such as regional monarchies, princely states, and colonial policies have left a legacy of regional identities.

**ऐतिहासिक कारण:** क्षेत्रीय राजाओं, रियासतों और उपनिवेशी नीतियों जैसे ऐतिहासिक अनुभवों ने क्षेत्रीय पहचानों का एक धरोहर छोड़ा है।

5. **Political Factors:** Political parties often exploit regional sentiments for electoral gains, which can lead to the growth of regional movements. Sometimes, there is a lack of strong national leadership that can address regional concerns.

**राजनीतिक कारण:** राजनीतिक दल अक्सर चुनावी लाभ के लिए क्षेत्रीय भावनाओं का उपयोग करते हैं, जो क्षेत्रीय आंदोलनों के विकास की ओर ले जाता है। कभी-कभी, राष्ट्रीय नेतृत्व की कमी होती है, जो क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर सके।

6. **Demand for Autonomy:** Some regions feel that they are not adequately represented in national decision-making, leading to demands for greater political autonomy or even secession.

**स्वायत्तता की माँग:** कुछ क्षेत्र महसूस करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय निर्णय-निर्माण में उचित रूप से प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, जिसके परिणामस्वरूप अधिक राजनीतिक स्वायत्तता या यहां तक कि पृथक्करण की माँग होती है।

7. **Neglect by the Central Government:** Regions that feel neglected or underdeveloped by the central government may develop strong regional identities in response to perceived injustices.

**केंद्र सरकार द्वारा उपेक्षा:** वे क्षेत्र जो केंद्र सरकार द्वारा उपेक्षित या अविकसित महसूस करते हैं, वे perceived अन्यायों के प्रति प्रतिक्रिया स्वरूप मजबूत क्षेत्रीय पहचानों का विकास कर सकते हैं।

**Describe the evolution of religious politics in India and its consequences.**

**भारत में धार्मिक राजनीति का विकास तथा इसके परिणाम का वर्णन कीजिए।**

**Evolution of Religious Politics in India** refers to the increasing involvement of religion in the political sphere, influencing governance, elections, and policies. Over time, religion has played a significant role in shaping political ideologies and movements.

**भारत में धार्मिक राजनीति का विकास** उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें धर्म का राजनीतिक क्षेत्र में बढ़ता हुआ प्रभाव, शासन, चुनावों और नीतियों को प्रभावित करता है। समय के साथ, धर्म ने राजनीतिक विचारधाराओं और आंदोलनों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**Stages in the Evolution of Religious Politics in India:**

**1. Pre-Independence Period:**

- During British rule, religious identities were often used by colonial rulers to divide people into religious communities. The British "divide and rule" strategy played a key role in promoting religious politics.
- The formation of organizations like the *All India Muslim League* (1906) and the *Hindu Mahasabha* (1915) marked the rise of religiously based political movements.

**स्वतंत्रता पूर्व काल:**

- ब्रिटिश शासन के दौरान, उपनिवेशी शासकों ने धर्म आधारित पहचान का उपयोग लोगों को धार्मिक समुदायों में विभाजित करने के लिए किया। ब्रिटिश 'फूट डालो और शासन करो' नीति ने धार्मिक राजनीति को बढ़ावा दिया।
- *ऑल इंडिया मुस्लिम लीग* (1906) और *हिंदू महासभा* (1915) जैसी संस्थाओं का गठन धर्म आधारित राजनीतिक आंदोलनों के उदय को चिह्नित करता है।

**2. Post-Independence Period:**

- After independence, India adopted a secular constitution, emphasizing religious tolerance. However, religious politics started to resurface, especially with the rise of the *BJP* (Bharatiya Janata Party) and the *RSS* (Rashtriya Swayamsevak Sangh) focusing on Hindutva ideology.
- The *Babri Masjid demolition* in 1992 was a major event that led to the politicization of religion, with large-scale communal riots and the further rise of religious politics.

## स्वतंत्रता पश्चात काल:

- स्वतंत्रता के बाद, भारत ने धर्मनिरपेक्ष संविधान अपनाया, जिसमें धार्मिक सहिष्णुता पर जोर दिया गया। हालांकि, धार्मिक राजनीति फिर से उभरने लगी, खासकर *भा. ज. पा.* (भारतीय जनता पार्टी) और *आरएसएस* (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) द्वारा हिंदुत्व विचारधारा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ।
  - 1992 में *बाबरी मस्जिद विध्वंस* एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसने धर्म को राजनीति में शामिल कर दिया, जिससे बड़े पैमाने पर साम्प्रदायिक दंगे हुए और धार्मिक राजनीति का और उदय हुआ।
3. **Rise of Regional Religious Politics:**
- In addition to national political parties, regional religious politics also emerged. Leaders and parties started using religious sentiments to mobilize voters, such as in Uttar Pradesh (where the politics of *Ram Mandir* became prominent).

## क्षेत्रीय धार्मिक राजनीति का उदय:

- राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के अलावा, क्षेत्रीय धार्मिक राजनीति भी उभरी। नेताओं और दलों ने धार्मिक भावनाओं का उपयोग करके मतदाताओं को एकत्रित करना शुरू किया, जैसे उत्तर प्रदेश में (जहां *राम मंदिर* की राजनीति प्रमुख बन गई)।

## Consequences of Religious Politics in India:

1. **Communal Tensions:** Religious politics has often led to communal violence, as seen in incidents like the *1984 anti-Sikh riots* and the *2002 Gujarat riots*. The politicization of religion has deepened divisions between communities.

**साम्प्रदायिक तनाव:** धार्मिक राजनीति ने अक्सर साम्प्रदायिक हिंसा को जन्म दिया है, जैसा कि *1984 के सिख विरोधी दंगे* और *2002 गुजरात दंगे* में देखा गया। धर्म का राजनीतिकरण समुदायों के बीच विभाजन को गहरा करता है।

2. **Polarization:** Religious politics has contributed to the polarization of society along religious lines, weakening the secular fabric of the nation. It has led to a situation where elections and political campaigns are often fought on religious lines rather than on developmental issues.

**ध्रुवीकरण:** धार्मिक राजनीति ने समाज के धार्मिक रेखाओं के साथ ध्रुवीकरण में योगदान किया है, जिससे देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को कमजोर किया है। यह ऐसी स्थिति में बदल गया है, जहां चुनाव और राजनीतिक अभियान अक्सर धार्मिक मुद्दों पर लड़े जाते हैं, बजाय कि विकासात्मक मुद्दों पर।

3. **Erosion of Secularism:** The rise of religious politics has challenged the secular principles enshrined in the Indian Constitution, promoting the idea of religion-based governance in certain regions.

**धर्मनिरपेक्षता का हास:** धार्मिक राजनीति के उभार ने भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को चुनौती दी है, और कुछ क्षेत्रों में धर्म आधारित शासन के विचार को बढ़ावा दिया है।

4. **Rise of Identity Politics:** Religious politics has also led to the rise of identity politics, where people's political allegiance is often determined by their religious identity rather than their socio-economic interests.

**पहचान राजनीति का उभार:** धार्मिक राजनीति ने पहचान राजनीति को भी जन्म दिया है, जहां लोगों की राजनीतिक निष्ठा अक्सर उनकी धार्मिक पहचान से निर्धारित होती है, न कि उनके सामाजिक-आर्थिक हितों से।

In summary, religious politics in India has evolved from the pre-independence period to the post-independence era, influencing both national and regional political landscapes. While it has contributed to certain movements and empowerment, it has also led to significant challenges in terms of social harmony, secularism, and national unity.

सारांश में, भारत में धार्मिक राजनीति स्वतंत्रता पूर्व काल से लेकर स्वतंत्रता पश्चात् काल तक विकसित हुई है, और इसने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक परिदृश्यों को प्रभावित किया है। जबकि इसने कुछ आंदोलनों और सशक्तिकरण में योगदान दिया है, वहीं यह सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।